चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार,

द्वारा कपास की खेती (खरीफ 2025) के लिए प्रारंभिक सुझाव

A+

NAEAB – ICAR Accredited

कपास हरियाणा प्रदेश की एक महत्वपूर्ण नकदी फसल है । कपास की बिजाई का समय आने वाला है । किसान भाई नीचे दी गई सावधानियां अपना कर कम लागत में कपास का अधिक उत्पादन ले सकते हैं ।

- रेतीले इलाकों में देसी कपास की बिजाई अप्रैल माह के पहले पखवाड़े में कर लें ।
- बीटी कपास की बिजाई अगर अप्रैल के पहले पखवाड़े में करते हैं तो मूंग की दो कतार कपास की दो कतार में लगा सकते हैं ।
- रेतीले इलाकों में बीटी कपास की बिजाई टपका विधि के द्वारा भी की जा सकती है ।
- जहां पानी खराब है व कपास के जमाव में दिक्कत है वहां कपास की बजाई बेड पर करें ।
- किसान भाई बी टी कपास का विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किया हुआ बीज ही लें। इसकी जानकारी के लिए आप जिले के कृषि विभाग या कृषि विज्ञान केंद्र से संपर्क कर सकते हैं या विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://www.hau.ac.in/ में फार्मर पोर्टल पर उपलब्ध है। बी टी कपास का बीज प्रमाणित संस्था या अधिकृत विक्रेता से ही लें तथा इसका पक्का बिल अवश्य लें।
- किसान भाई मिट्टी की जांच अवश्य करवाएं, मिट्टी की जांच के आधार पर ही पोषक तत्वों की मात्रा तय की जानी चाहिए।

महत्वपूर्ण सावधानियाँ

- किसान भाई अपने खेत में या आसपास रखी गई पिछले साल की नरमा की लकड़ियों के टिन्डे एवं पत्तों को झडका कर अलग कर दें एवं इक्कठा हुए कचरे को नष्ट कर दें। इन लकड़ियों के टिन्डो में गुलाबी सुंडी निवास करती है अतः यह कार्य मार्च महीने के अंत तक जरूर कर लें।
- वर्तमान में गुलाबी सुंडी के प्रति बी टी कपास का प्रतिरोधक बीज उपलब्ध नहीं है अतः 3G, 4G एवं 5G के नाम से आने वाले बीजों से सावधान रहें।
- गुलाबी सुण्डी बी टी नरमे के दो बीजों (बिनौले) को जोड़कर 'भंडारित लकड़ियों' में निवास करती है, इसलिए लकड़ी व बिनौलों का भण्डारण सावधानीपूर्वक करें ।
- जिन किसान भाइयों ने अपने खेतों में बी टी नरमा की लकड़ियों को भंडारित करके रखा है या उनके खेतों के आसपास कपास की जिनिंग व बिनौलों से तेल निकालने वाली मिल लगती है उन किसानों को अपने खेतों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि इन किसानों के खेतों में गुलाबी सुण्डी का प्रकोप अधिक होता है।
- विश्वविद्यालय द्वारा कपास की खेती के लिए हर 15 दिन में वैज्ञानिक सलाह जारी की जाती है अतः उसके अनुसार ही सस्य क्रियांए एवं कीटनाशकों का प्रयोग करें।

इसके अतिरिक्त कोई भी संशय होने पर निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करें

8002398139 7015105638 9812700110 9416530089 9041126105 9992911570 8901047834

कपास अनुभाग

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्विद्यालय हिसार